PGDUPDL

शहरी नियोजन एवं विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2018 और जनवरी 2019 सत्रों के लिए)

विस्तार और विकास अध्ययन विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

शहरी नियोजन एवं विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
सत्रीय कार्य
जुलाई 2018 और जनवरी 2019 सत्र के लिए

कार्यक्रम कोड : पी.जी.डी.यू.पी.डी.एल.

प्रिय छात्र/छात्राओ,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य के 100 अंक हैं। पंजीकरण वर्ष को ध्यान में रखे बिना, आपको वेबसाइट पर अपलोड किए गए अद्यतन सत्रीय कार्य पूरे करके जमा कराने होंगे।

निर्देश :

1. सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में उल्लिखित निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ें।
2. आपके उत्तर–पत्रक के पहला पृष्ठ का शीर्ष भाग निम्न प्रकार नज़र आना चाहिए :

नामांकन संख्या	नाम और पता .....
ई–मेल	मोबाइल नंबर .....
पाठ्यक्रम कोड	क्षेत्रीय केंद्र (कोड) .....
पाठ्यक्रम शीर्षक	अध्ययन केंद्र (कोड) .....

3. अपने उत्तरों के लिए ए–4 आकार के कागज़ का उपयोग कीजिए। प्रत्येक उत्तर के साथ प्रश्न संख्या अवश्य लिखिए। कागज़ के दोनों ओर, पर्याप्त हाशिया छोड़कर अपने उत्तर लिखिए। उत्तर लिखे सभी पृष्ठों को पाठ्यक्रमवार सही प्रकार से और ध्यान से नत्थी कीजिए।
4. अपने सत्रीय कायों के प्रश्नों के उत्तर अपनी हस्तलिपि में अर्थात स्वयं लिखिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।
5. **सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि** : जुलाई 2018 सत्र के विद्यार्थियों के लिए 31 मार्च 2019 और जनवरी 2019 सत्र के विद्यार्थियों के लिए 30 सितंबर 2019। किंतु, आपको यह सलाह दी जाती है कि जहाँ तक हो सके अपने सत्रीय कार्य जल्दी जमा कराएँ।
6. हल किए गए सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक के पास जमा कराएँ और उनसे सत्रीय कार्य जमा कराने की प्राप्ति रसीद अवश्य प्राप्त कर लें।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें। प्रस्तावना में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या हो और साथ ही उसमें यह दर्शाया गया हो कि आप क्या उत्तर देंगे। समाहार में आपके प्रश्न के उत्तर का संक्षेप प्रस्तुत किया गया हो।

3) **उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि** :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

4) **प्रस्तुतीकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

किसी भी प्रकार की शैक्षिक सहायता/स्पष्टीकरण के लिए निम्नलिखित पाठ्यक्रम समन्वयकों से संपर्क कीजिए :

एम.ई.डी.एस. 041 और एम.ई.डी.एस 042	डॉ. नेहाल ए. फारूक़ी, ई–मेल	:	nafarooquee@ignou.ac.in
एम.ई.डी.एस. 043 और एम.ई.डी.एस.ई–046	प्रो. बी.के. पटनायक, ई–मेल	:	bkpattanaik@ignou.ac.in
एम.ई.डी.एस.044	डॉ. पी.वी.के. शशिधर, ई–मेल	:	pvksasidhar@ignou.ac.in

सत्रीय कार्य–1

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.डी.एस–41
अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।

1. शहरीकरण से आप क्या समझते हैं? शहरीकरण की प्रमुख चुनौतियों की चर्चा कीजिए।

2. उत्तर और दक्षिण में शहरीकरण के विकास में अंतर स्पष्ट कीजिए।

3. शहरी पारितंत्र और जलवायु परिवर्तन, परंपरागत शहरी नियोजन में पूरी तरह से एकीकृत क्यों नहीं है?

4. 74वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के प्रमुख घटकों की चर्चा कीजिए।

5. शहरी प्रबंधन क्या है? सुशहरी प्रबंधन के लिए अपेक्षित मूलभूत आवश्यकताएँ कौन–सी हैं?

सत्रीय कार्य–2

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.डी.एस–42
अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।

1. शहरी क्षेत्रों में वहनीय आवासन (affordable housing) की अवधारणा की चर्चा कीजिए।

2. शहरी अपशिष्ट (urban waste) के प्रकार और विशेषताएँ क्या हैं? ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अभी हाल ही में किए गए सरकारी प्रयासों की चर्चा कीजिए।

3. ऊर्जा नियोजन को परिभाषित कीजिए। सतत शहरी ऊर्जा नियोजन के मूलभूत सिद्धांतों की चर्चा कीजिए।

4. शहरी शिक्षा की प्रमुख चुनौतियों की उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

5. विरासत (heritage) से आप क्या समझते हैं? पर्यटन, शहरी विरासत के महत्व को किस प्रकार बढ़ावा देता है? चर्चा कीजिए।

सत्रीय कार्य–3

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.डी.एस–43
अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।

1. आज़ादी के बाद भारत सरकार के द्वारा शुरू किए गए शहरी विकास कार्यक्रमों की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए।

2. जैव–विविधता (bio-diversity) क्या है? जैव–विविधता के संरक्षण के लिए कौन–से कदम उठाए जाने की आवश्यकता है?

3. भारत में किराया नियंत्रण सुधारों की चर्चा कीजिए।

4. राजकोषीय विकेंद्रीकरण (fiscal decentralization) से आप क्या समझते हैं? भारत में राजकोषीय विकेंद्रीकरण की चर्चा कीजिए।

5. आपदा प्रबंधन क्या है? तटीय क्षेत्र में आपदा प्रबंधन प्रक्रिया की चर्चा कीजिए।

सत्रीय कार्य–4

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.डी.एस–44
अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।

1. परियोजना मूल्यांकन तकनीक (project appraisal technique) से आप क्या समझते हैं? विभिन्न परियोजना मूल्यांकन तकनीकों की उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

2. अनुवीक्षण (निगरानी) और मूल्यांकन के विभिन्न प्रकारों की चर्चा कीजिए।

3. मापन के विभिन्न स्तरों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

4. द्वितीयक आँकड़े (secondary data) से आप क्या समझते हैं? द्वितीयक आँकड़ों का उपयोग करते समय कौन–सी सावधानियाँ बरतनी चाहिए?

5. गुणवत्तापूर्ण आँकड़ा (qualitative data) से आप क्या समझते हैं? गुणवत्तापूर्ण आँकड़ा संग्रहण करने की केंद्रित सामूहिक परिचर्चा विधि (focus group discussion method) और उसके गुण एवं दोषों की चर्चा कीजिए।

सत्रीय कार्य–5

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.डी.एस.ई–46
अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।

1. विकास प्रतिमान (development paradigm) क्या है? विकासशील देशों के लिए विकास के एक महत्वपूर्ण प्रतिमान के रूप में मानव विकास की चर्चा कीजिए।

2. निर्धनता, असमानता और बेरोज़गारी से आप क्या समझते हैं? उनके बीच परस्पर संबंध तथा रोज़गार को बढ़ावा देने के उपायों की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए।

3. सीमांतीकरण (marginalization) क्या है? समावेशील विकास के लिए सीमांतीकरण का नियंत्रण किस प्रकार महत्वपूर्ण है? सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

4. आधारिक विकास (infrastructure development) क्या है? आर्थिक विकास के लिए आधारिक विकास का नियंत्रण किस प्रकार महत्वपूर्ण है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ उल्लेख कीजिए।

5. स्वास्थ्य और विकास के महत्वपूर्ण सूचकों की उपयुक्त उदाहरणों के साथ आलोचनात्मक चर्चा कीजिए।